अनुक्रमणिका

पृष्ठ संख्या

प्रथम अध्याय : मन्नू भंडारी के व्यक्तित्व और कृतित्व का सामान्य परिचय **1 से 13**

1.1 जीवन परिचय

1.1.1 जन्म

1.1.2 माता-पिता

1.1.3 भाई बहन

1.1.4 शिक्षा

1.1.5 अध्यापकीय जीवन

1.1.6 हिन्दी साहित्य में आगमन

1.1.7 राजेन्द्र यादव जी से परिचय

1.1.8 विवाह

1.1.9 पारिवारिक जीवन

1.1.10 पुरस्कार से सम्मानित

1.2 व्यक्तित्व

1.2.1 बाहरी रुप

1.2.2 आंतरिक रुप

1.2.2.1 लेखन की अनोखी प्रतिभा

1.2.2.2 अल्प सुखी

1.2.2.3 निडरता

1.2.2.4 स्वच्छता की कायल

1.2.2.5 मन्नू की नापसंद बातें और चीजें

1.2.2.6 उदारता

1.3 कृतित्त्व

1.3.1 रचनाओं पर बनी फिल्में

1.3.2 कहानी संग्रह

1.3.3 उपन्यास

1.3.4 किशोरोपयोगी साहित्य

1.3.5 नाटक

द्वितीय अध्याय : विवेच्य कहानियों में नारी संवेदना के विविध स्तारों का चित्रण **34 से 55**

2.1 सामाजिक विषय से संबंधित कहानियाँ

2.2 पारिवारिक जीवन से संबंधति कहानियाँ

2.3 दांपत्य जीवन से संबंधित कहानियाँ

2.4 शिक्षा से संबंधित कहानियाँ

2.5 अंधश्रद्धा से संबंधित कहानियाँ

2.6 राजनीति से संबंधित कहानियाँ

2.7 समस्या प्रधान कहानियाँ

2.8 अर्थाभाव विषयक कहानियाँ

2.9 प्रेम विषयक कहानियाँ

2.10 हास्य व्यंग्य से संबंधित कहानियाँ

2.11 मित्रता विषयक कहानियाँ

2.12 मनोविज्ञान से संबंधित कहानियाँ

2.13 नारी विषयक कहानिया

तृतीय अध्याय : विवेच्य कहानियों में नारी संवेदना के विविध स्तरों का चित्रण **34 से 55 तक**

3.1 नारी की सामाजिक स्थिति एवं स्थान

3.2 परिवार में नारी की स्थिति

3.3 दांपत्य जीवन में नारी की स्थिति

3.4 कार्यालयों में नारी की स्थिति

3.5 शिक्षा क्षेत्र में नारी की स्थिति

3.6 आर्थिक व्यवहार/ निर्णय में नारी का स्थान

चतुर्थ अध्याय : विवेच्य कहानियों में नारी संवेदना के विविध रुप **56 से 98**

4.1 नारी संवेदना के विविध रुप : विशेषता के आधार पर

4.1.1 परित्यक्ता नारी

4.1.2 शोषित नारी / पीड़ित नारी

4.1.3 उपेक्षित नारी

4.1.4 विद्रोही नारी

4.1.5 शिक्षित नारी

4.1.6 अनपढ़ नारी

4.1.7 स्वाभिमानी नारी

4.1.8 नौकरी पेशा नारी

4.1.9 मजदूरी करनेवालीनारी

4.1.10 धोखे की शिकार नारी

4.1.11 संघर्षशील नारी

4.1.12 दूसरों पर हावी होनेवाली नारी

4.2 नारी संवेदना के विविध रुप : रिश्तों के आधार पर

4.2.1 माँ के रुप में

4.2.2 पत्नी के रुप में

4.2.3 बेटी के रुप में

4.2.4 सखी के रुप में

4.2.5 बहन के रुप में

4.2.6 प्रेमिका के रुप में

4.2.7 नानी के रुप में

4.2.8 विधवा के रुप में

4.2.9 भाभी, ननद जेठानी बहू और सास के रुप में

पंचम अध्याय : विवेच्य कहानियों में प्रतिबिंबित नारी समस्या। 99 से 119

5.1 पति द्वारा संदेह करने की समस्या

5.2 पति के अन्याय के दमन की समस्या

5.3 दांपत्य जीवन में प्रेम के अभाव की समस्या

5.4 पति द्वारा पत्नी को न समझ पाने की समस्या

5.5 निर्धनता की समस्या

5.6 प्रेम की समस्या

5.7 व्यक्ति स्वातंत्र्य की समस्या

5.8 अकेलेपन की समस्या

5.9 नौकरी पेशा नारी की समस्या

5.10 परित्यक्ता नारी की समस्या

5.11 अतृप्त काम की समस्या

5.12 निर्णयक्षमता के अभाव की समस्या

5.13 शिक्षा की समस्या

उपसंहार 120 से 125

संदर्भ-ग्रंथ सूची 126 से 130

****